

32

उत्तर प्रदेश शासन
वित्त विभाग अनुभाग-2

संख्या-एफ0ए-2-367 / वस-92-100130।डी.ए.2-गृह पुलिस अनु0-12

लखनऊ : दिनांक 21 दिसम्बर, 1992

कार्यालय-ज्ञाप

शासकीय कार्यालय ज्ञाप संख्या-एफ0ए-2-258/दस-84-3डी/84-गृह पुलिस अनुभाग-12, दिनांक 22 जून, 1984 का अतिक्रमण करते हुए अपोहस्ताक्षरी को यह कष्टने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय प्रदेश में सांप्रदायिक दंगों (Communal Riots) से पीड़ित रहे व्यक्ति, जिनके जानमाल का गंभीर क्षति हुई है, उन्हें पुनर्वाक्ति करने हेतु बजट प्राविधान के अन्तर्गत सहायता दी जाने वाली राहत की पुराशि को स्वीकृति हेतु निम्नलिखित वित्तीय अधिकार गृह सचिव, उ०प्र० शासन को प्रतिनिहित करते हैं :-

- | | |
|---|-------------------------------|
| 11। दंगे में प्रत्येक मृतक। चाहे वह परिवार का जीविकोपार्जन सदस्य रहा हो अथवा नहीं। के परिवार को | ₹ 50,000/- |
| 12। दंगे में स्थायी रूप से अपंग हो जाने की स्थिति में प्रत्येक व्यक्ति को। चाहे वह परिवार का जीविकोपार्जन सदस्य रहा हो अथवा नहीं। | ₹ 12,500/- |
| 13। दंगे में अस्थाई रूप से अपंग हो गये प्रत्येक व्यक्ति को | ₹ 2,500/- |
| 14। दंगे में संधातिक चोट के परिणामस्वरूप घायल व्यक्ति को जो उमर 13। में अपंग की परिभाषा में न आता हो। | ₹ 1,250/- |
| 15। दंगे में चल सम्पत्ति की हानि की स्थिति में | ₹ 5,000/- |
| 16। दंगे में मकान को हुई क्षति की स्थिति में | ₹ 1,250/- से ₹ 37,000/- तक |
| 17। दंगे में जीविकोपार्जन सम्बन्धी सत्तुओं जैसे गाड़ी, नाव या धैल आदि। की हानि की स्थिति में | ₹ 5,000/- |
- 2- उपर्युक्त 16। के सम्बन्ध में सांप्रदायिक दंगे में क्षतिग्रस्त मकान की वास्तविक हानि की कीमत को आंको हर सां प्रिण सहायता की पुराशि निर्धारित की जायेगी। कच्चे मकान के पूर्णतया नष्ट हो जाने पर अधिकतम ₹ 12,500/-।
- स्वये धारद हवार पांच सां मा... पूर्णतया से पहले बने मकान के पूर्णतया

नष्ट हो जाने के मामले में अधिकतम ₹ 37,000/- रुपये तक हज़ार मात्र। तब की आर्थिक सहायता निर्धारित की जा सकती है। दोनों दशाओं में आंशिक क्षति के लिये राहत क्षति के अनुसार होगी।

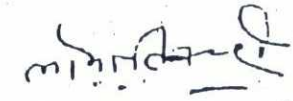
3- उक्त निर्धारित की गयी सीमाओं में विशेष परिस्थितियों में आवश्यकतानुसार छूट दी जा सकती है, किन्तु कितना प्रसार की छूट अथवा उमर निर्धारित की गई सीमाओं को शिथिल करने से पूर्व शासन के गृह विभाग में उच्चादेश प्राप्त करना आवश्यक होगा।

4- गंभीर ढंग में नारे मते अथवा प्राप्त हुए व्यक्तियों और जिन व्यक्तियों अथवा संस्थाओं को ढंग से फलस्वरूप सम्बन्धित क्षति होती है उन्हें ही ढंगा पाइत नाना जाएगा।

5- यह आदेश दिनांक 6 दिसम्बर, 1992 से प्रभावी होंगे।

6- वित्त मन्त्रालय, लखनऊ में आवश्यक संशोधन यथासमय किया जाएगा।

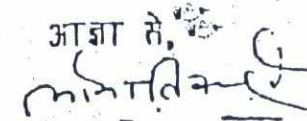
प्रमुख सचिव,
गृह विभाग,
उ०प्र०शासन।


। भोला नाथ तिवारी ।
प्रमुख सचिव, वित्त ।

सू०सं०-स-2-367।।।/दत्त-92-तददिनांकित

प्रतिलिपि प्रमुख महालेखाकार/लेखा एवं हकदारी तथा महालेखाकार

। आडिट प्रथम, उ०प्र०, इलाहाबाद को तृपनाथ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,

। भोला नाथ तिवारी ।
प्रमुख सचिव, वित्त ।

सू०सं०-स-2-367।।।/दत्त-92-तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को भी तृपनाथ प्रेषित:-

111 समस्त मण्डलायुक्त, उत्तर प्रदेश ।

121 समस्त जिला मजिस्ट्रेट, उत्तर प्रदेश ।

--- मन्त्रालय के समस्त अनुभाग ।